

हरियाणा सरकार अधिनियम सं. "1998" (8)

1. 1998 में हरियाणा वन्य प्राणी परिरक्षण विभाग अधिनियम (i)

2. 1998 में हरियाणा वन्य प्राणी परिरक्षण विभाग अधिनियम (ii)

दिनांक 23 जनवरी, 1998

सं० सा. का. नि. 8/संवि./अनु. 309/98.--भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा, हरियाणा वन्य प्राणी परिरक्षण विभाग (ग्रुप घ) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा उनकी सेवा की शर्तों को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

भाग I--सामान्य

1. (1) ये नियम हरियाणा वन्य प्राणी परिरक्षण (ग्रुप घ) सेवा नियम, 1998 कहे जा सकते हैं।

(2) ये नियम राजपत्र में उसके प्रकाशन की तिथि से लागू।

2. इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--

(क) "मुख्य वन्य प्राणी वार्डन" से अभिप्राय है, मुख्य वन्य प्राणी वार्डन, हरियाणा ;

(ख) "उप मुख्य वन्य प्राणी वार्डन" से अभिप्राय है, हरियाणा में वन्य प्राणी मण्डल का भारसाधक अधिकारी ;

(ग) "मण्डलीय वन्य प्राणी अधिकारी" से अभिप्राय है, हरियाणा में वन्य प्राणी मण्डल का भारसाधक अधिकारी ;

(घ) "सीधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति जो सेवा में पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो ;

(ङ) "रोजगार कार्यालय" से अभिप्राय है, हरियाणा राज्य में स्थित रोजगार कार्यालय ;

(च) "संस्कार" से अभिप्राय है, प्रशासकीय विभाग में हरियाणा सरकार ;

संक्षिप्त नाम  
तथा प्रारम्भ ।

परिभाषाएं

(छ) "संस्था" से अभिप्राय है,—

(i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था ; या

(ii) इन नियमों के प्रयोजनार्थ सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था ;

(ज) "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा वन्य प्राणी परिरक्षण विभाग (ग्रुप घ) सेवा।

#### भाग II—सेवा में भर्ती

पदों की संख्या  
तथा उनका  
स्वरूप।

3. सेवा में इन नियमों के परिशिष्ट क में बताये पद होंगे :

परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थायी अथवा अस्थायी रूप से बनाने से सरकार के अन्तर्निहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी।

सेवा में भर्ती  
किये गये  
उम्मीदवारों की  
राष्ट्रियता,  
अधिवास और  
चरित्र।

4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक कि वह निम्नलिखित न हो:—

(क) भारत का नागरिक ; या

(ख) नेपाल की प्रजा ; या

(ग) भूटान की प्रजा ; या

(घ) तिब्बत का शरणार्थी, जो पहली जनवरी, 1962, से पहले भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो ; या

(ङ.) भारतीय मूल का व्यक्ति जो पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीर्न्या, युगांडा, तथा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य, (भूतपूर्व टंगानिया और जंजीबार), जाम्बिया, मालावी, जाम्बे और इथोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीकी देश से प्रवासित होकर भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) तथा (ङ.) से सम्बन्धित व्यक्ति, ऐसा व्यक्ति होगा, जिसके पक्ष में सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।

(2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के बाद ही दिया जा सकता है।

(3) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह अपनी अंतिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या एसी संस्था के, यदि कोई हो, प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण-पत्र और दो ऐसे अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से, जो उसके सम्बन्धी न हों और उसके व्यक्तिगत जीवन में उससे भली भाँति परिचित हों और जो उसके महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था से सम्बन्धित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न करे।

5. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा, जो मास में प्रथम दिन को, जिसमें रोजगार कार्यालय को मांग पत्र भेजा है को 16 वर्ष की आयु से कम या 35 वर्ष की आयु से अधिक का हो।

आयु।

6. सेवा में पदों पर नियुक्तियाँ उप मुख्य व्रत प्राणी वार्डन द्वारा की जायेंगी।

नियुक्ति  
प्राधिकारी।

7. कोई भी व्यक्ति, सेवा में तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट ख के खाना 3 में तथा पदोन्नति की दशा में पूर्वोक्त परिशिष्ट के खाना 4 में उल्लिखित अर्हताएं तथा अनुभव न रखता हो।

योग्यताएं

परन्तु सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की दशा में अनुभव सम्बन्धी अर्हताओं से नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर पचास प्रतिशत सीमा तक ढील दी जा सकेगी, यदि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांग प्रवर्गों में, उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध न हो। ऐसा करने के लिए लिखित रूप में कारण दिये जायेंगे।

अयोग्यताएं।

8. कोई भी व्यक्ति,--

(क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है; या

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए, किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है,

सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।



परन्तु यदि सरकार की संतुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह को दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है।

9. सेवा में, सेवादार, चौकीदार, सेवादार एवं चौकीदार, परिवार एवं चौकीदार, माली एवं चौकीदार, कीपर की दशा में पदों पर भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जायेगी :—

- (i) सीधी भर्ती द्वारा ; या
  - (ii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में पहले लगे किसी कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ।
- (2) जब कोई रिक्ति होती है या होने वाली होती है, तो नियुक्ति प्राधिकारी रीति का निर्धारण करेगा जिससे ऐसी रिक्ति भरी जायेगी ।

परिवीक्षा । 10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो दो वर्ष की अवधि के लिये और यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो एक वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेगा :

परन्तु,—

- (क) परन्तु ऐसी नियुक्ति के बाद, किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि परिवीक्षा की अवधि में गिनी जायेगी ;
- (ख) स्थानान्तरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किये गये कार्य की कोई अवधि नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन नियत परिवीक्षा अवधि की ओर गिनी जा सकती है ; और
- (ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि, परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जायेगी, किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसने ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परिवीक्षा की विहित अवधि के पूरा होने पर, यदि वह किसी स्थायी पद पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किये जाने का हकदार नहीं होगा ।

(2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में, परिवीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो वह,—

- (क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसकी सेवाएं समाप्त कर सकता है ; और
- (ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया हो तो,—
  - (i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है ; या
  - (ii) उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्त अनुज्ञात करें ।

(3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी,--

(क) यदि उसकी राय में, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक रहा हो तो,--

(i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, उसे उसकी नियुक्ति की तिथि से पुंष्ट कर सकता है ; या

(ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, तो उसे स्थायी रिक्ति होने की तिथि से पुंष्ट कर सकता है ; या

(iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो तो घोषित कर सकता है कि उसने अपनी परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है ; या

(ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो तो,--

(i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है, या उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्यवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्त अनुज्ञात करे ; या

(ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था :

परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि भी, यदि कोई है, शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

11. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जायेगी :

ज्येष्ठता ।

परन्तु जहाँ सेवा से विभिन्न संवर्ग हों, वहाँ ज्येष्ठता प्रत्येक संवर्ग के लिये अलग-अलग निश्चित की जायेगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता नियत करते समय नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निश्चित योग्यताक्रम परिवर्तित नहीं किया जायेगा :

परन्तु यह एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जायेगी :--

(क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ; या

(ख) स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जायेगी, जिनसे वे स्थानान्तरित किये गये थे ; और

(ग) विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जायेगी, अधिमान ऐसे सदस्यों को दिया जायेगा जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था, और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो तो उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार और यदि सेवाकाल भी समान हो तो, आयु से बड़ा सदस्य छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा ।

सेवा करने का दायित्व ।

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर, सेवा करने के लिये, आवेश दिये जाने पर, ऐसा करने के लिए दायी होगा ।

(2) सेवा के किसी सदस्य को सेवा के लिए निम्नलिखित के अधीन भी प्रतिनियुक्त किया जा सकता है,—

(i) कोई कम्पनी, संगम या व्यक्ति निकाय चाहे यह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियन्त्रण राज्य सरकार के पास है, हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण अथवा विश्व-विद्यालय ;

(ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कम्पनी, संगम या व्यक्ति निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियन्त्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो ; अथवा

(iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन स्वायत्त निकाय, जिसका नियन्त्रण सरकार के पास न हो, अथवा गैर सरकार निकाय ;

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) यथा खण्ड

(iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार, या किसी संगठन या निकाय में सेवा करने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जायेगा ।

वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले ।

13. वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामलों के सम्बन्ध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबन्ध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य, ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा नियंत्रित होंगे, जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन अथवा राज्य विधानमण्डल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाये या बनाये गये हो अथवा इसके बाद अपनाये या बनाये जायें ।



14. (1) अनुशासन, शास्त्रियों तथा अपीलों से सम्बन्धित मामलों में, सेवा क अनुशासन, शास्त्रियों सदस्य समय-समय यथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दंड तथा अपील) नियम, तथा अपीलों 1987, द्वारा नियन्त्रित होंगे :

परन्तु ऐसी शास्त्रियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती हैं, ऐसी शास्त्रियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए वे होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट ग में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दंड तथा अपील) नियम, 1987 के नियम 9 के उप नियम (i) के खंड (ग) तथा खंड (घ) के अधीन आदेश पारित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वह होगा जो इन नियमों के परिशिष्ट घ में विनिर्दिष्ट है।

15. सेवा का प्रत्येक सदस्य, जब सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश टीका लगवाना। द्वारा ऐसा निर्देश करे, टीका लगवाएगा तथा पुनः टीका लगवाएगा।

16. सेवा के प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि राजनिष्ठा की द्वारा यथास्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जायेगी। शपथ।

17. जहां सरकार की राय में, इन नियमों के किसी उपबन्ध में ढील देना आवश्यक ढील देने की हो, वहां वह कारण लिखकर आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसी कर सकती है। शक्ति।

18. इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित प्राधिकारी, यदि वह विशेष उपबन्ध। नियुक्ति आदेश में विशेष निबन्धन तथा शर्तें लगाना उचित समझे तो वह ऐसा कर सकता है।

19. इन नियमों में दी गई कोई भी बात राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में आरक्षण। समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के किसी अन्य वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने के लिए अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी।

परन्तु इस प्रकार से किये गये आरक्षण की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

20. पंजाब राज्य (श्रेणी चार) सेवा नियम, 1963, जो इन नियमों के आरम्भ निरसन तथा से तुरन्त पहले लागू हैं, इसके द्वारा, निरसित किये जाते हैं : व्यावृत्ति।

परन्तु इस प्रकार से निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई इन नियमों के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्रवाई समझी जायेगी।

परिशिष्ट क

(देखिये नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या	वेतनमान
स्थायी	अस्थायी	जोड़	
1	2	3	4
1	सेवाद्वार	2	5 750-12-870-ई.बी.-14-940 रुपए
2	चौकीदार	2	2 750-12-870-ई.बी.-14-940 रुपए
	सेवाद्वार एवं चौकीदार	8	2 10 750-12-870-ई.बी.-14-940 रुपए
4	परिचर एवं चौकीदार	1	1 750-12-870-ई.बी.-14-940 रुपए
5	भाली एवं चौकीदार	8	8 750-12-870-ई.बी.-14-940 रुपए
6	कीपर	7	7 750-12-870-ई.बी.-14-940 रुपए



## परिशिष्ट ख

(देखिये नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिये शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्तियों की शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो
----------------	-------	---	---

1

2

3

4

- |   |                        |   |   |
|---|------------------------|---|---|
| 1 | सेवादार                | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानता हो । | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानना हो । |
| 2 | चौकीदार                | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानता हो । | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानता हो । |
| 3 | सेवादार<br>एवं चौकीदार | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानता हो । | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानता हो । |
| 4 | परिचर एवं<br>चौकीदार   | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानता हो । | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) हिन्दी तथा अंग्रेजी पढ़ना और लिखना जानता हो । |
| 5 | माली एवं<br>चौकीदार    | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) बागवानी का ज्ञान ।                            | (i) मिडिल पास ;<br>(ii) बागवानी का ज्ञान ।                            |
| 6 | कीपर                   | (i) हिन्दी पढ़ना-लिखना जानता हो                                       | (i) हिन्दी पढ़ना और लिखना जानता हो ।                                  |

परिशिष्ट ग

[देखिए नियम 14 (1)]

क्रम संख्या	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	द्वितीय तथा अंतिम अपील प्राधिकारी, यदि कोई हो
1	2	3	4	5	6	7

1. छोटी शास्तियाँ—

1	सेवादार	उप मुख्य	(i) वैयक्तिक फाईल (आचरण	उप मुख्य	मुख्य वन्य	सरकार
2	चौकीदार	वन्य प्राणी	पंजी) पर प्रति रखते हुए	वन्य प्राणी	प्राणी वार्डन	
3	सेवादार	वार्डन	चेतावनी ;	वार्डन		
	एवं					
	चौकीदार		(ii) परिनिन्दा ;			
4	परिचर		(iii) पदोन्नति रोकना,			
	एवं					
	चौकीदार		(iv) आदेशों की उपेक्षा या			
			उल्लंघन द्वारा केन्द्रीय सरकार			
5	माली		या राज्य सरकार को या			
	एवं		ऐसी कम्पनी, संगम			
	चौकीदार		तथा व्यक्ति निकाय चाहे			
			वह निगमित हो या नहीं			
6	कीपर		जिसका पूर्ण या अधिकांश			
			स्वामित्व या नियन्त्रण			
			सरकार के पास है या संसद			
			या राज्य विधान मण्डल			
			के अधीनियम द्वारा स्थापित			
			किसी स्थानीय प्राधिकरण			
			या विश्वविद्यालय को हुई धन			
			संबंधी हानि की पूरी या			
			उसके भाग की वेतन से			
			वसूली ;			

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

उप मुख्य वन्य प्राणी वाडेन	(v) संचयी प्रभाव के बिना वेतन वृद्धियां रोकना ;	उप मुख्य वन्य प्राणी वाडेन	मुख्य वन्य प्राणी वाडेन	सरकार
----------------------------------	--	----------------------------------	----------------------------	-------

## 2. बड़ी शास्तियां —

(vi) संचयी प्रभाव से वेतन वृद्धियां रोकना ;

(vii) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए समयमान में निम्न-तर प्रक्रम पर अवनति ऐसे अतिरिक्त निर्देशों सहित कि क्या सरकारी कर्मचारी ऐसी अवनति की अवधि के दौरान वेतन वृद्धियां अर्जित करेगा या नहीं और क्या ऐसी अवधि की समाप्ति पर, ऐसी अवनति उसकी भावी वेतन वृद्धियों को स्थगित करने का प्रभाव रखेगी या नहीं;

(viii) निम्नतर वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर ऐसी अवनति जो सरकारी कर्मचारी के उस समय वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर जिससे वह अवनत किया गया था, पदोन्नति के लिए साधारणतया रोक होगी, ऐसा जिस ग्रेड अथवा पद अथवा सेवा से सरकारी कर्मचारी अवनत किया गया था उस पर बहाली



1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

उप मुख्य वन्य प्राणी वार्डन	संबंधी और उसकी ज्येष्ठता तथा उस ग्रेड, पद या सेवा पर वेतन के बारे में शर्तों संबंधी अतिरिक्त निर्देशों के साथ या उनके बिना होगा;	उप मुख्य वन्य प्राणी वार्डन	मुख्य वन्य प्राणी वार्डन	सरकार
-----------------------------------	---	-----------------------------------	--------------------------------	-------

(ix) अनिवार्य सेवा निवृत्ति;

(x) सेवा से हटाया जाना जो सरकार  
के अधीन भावी नियोजन  
के लिए निरर्हता नहीं  
होगी ;

(xi) सेवा से पदच्युति जो  
सरकार के अधीन भावी  
नियोजन के लिए  
सामान्यतः निरर्हता होगी +

परिशिष्ट घ

[ देखिए नियम 14 (2) ]

क्रम संख्या	पदनाम	आदेश का स्वरूप	आदेश करने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	द्वितीय तथा अन्तिम अपील प्राधिकारी, यदि कोई हो
1	2	3	4	5	6
1	सेवादार	(क) पेंशन को नियन्त्रित करने वाले नियमों के अधीन उसे अनुज्ञेय सामान्य/ अतिरिक्त पेंशन की राशि से कमी करना या रोकना;	उप मुख्य वन्य प्राणी वाडन	मुख्य वन्य प्राणी वाडन	सरकार
2	चौकीदार	चौकीदार (ख) उसकी अधिवाषिता के लिए			
3	परिचर एवं चौकीदार	नियत आयु को होने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति।			
4	माली एवं चौकीदार				
5	कोपर				

एच० सी० दिसौदिया,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार;  
वन्य प्राणी परिरक्षण विभाग;  
चण्डीगढ़।

[Authorised English Translation]

HARYANA GOVERNMENT  
WILDLIFE PRESERVATION DEPARTMENT

Notification

The 23rd January, 1998

No. G.S.R. 8/Const./Art.309/98.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the recruitment and conditions of service of persons appointed to the Haryana State Wildlife Preservation Department (Group D) Services, namely :—

Part I—General

Short title and  
commencement.

1. (1) These rules may be called the Haryana State Wildlife Preservation Department (Group D) Service Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

Definitions.

2. In these rules, unless the context otherwise requires ;—

- (a) "Chief Wildlife Warden" means the Chief Wildlife Warden, Haryana ;
- (b) "Deputy Chief Wildlife Warden" means the Officer-in-Charge of the Wildlife Divisions in Haryana ;
- (c) "Divisional Wildlife Officer" means the Officer-in-Charge of the Wildlife Divisions in Haryana ;
- (d) "direct recruitment" means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer of an official already in the service of the Government of India or any State Government ;
- (e) "employment exchange" means the employment exchange situated in Haryana State ;
- (f) "Government" means the Haryana Government in the Administrative Department ;
- (g) "institution" means,—
  - (i) any institution established by law in force in the State of Haryana ; or
  - (ii) any other institution recognised by the Government for the purpose of these rules.



(h) "Service" means the Haryana Wildlife Preservation Department (Group D) Service;

## Part II—Recruitment to Service

3. The Service shall comprise the posts shown in Appendix-A to these rules :

Number and  
character of posts

Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to, or reductions in, the number of such posts or to create new posts with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily.

4. (1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is,—

Nationality,  
domicile and  
character of candi-  
dates appointed to  
Service.

(a) a citizen of India; or

(b) a subject of Nepal; or

(c) a subject of Bhutan; or

(d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st day of January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or any of the East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India;

Provided that a person belonging to any of categories (b), (c), (d) or (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.

(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the appointing authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.

(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of character from the principal Academic Officer of the University, College, School or Institution last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons, not being his relatives, who are well acquainted with him in his private life and are un-connected with his University, College, School or Institution.

5. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment who is less than 16 years or more than 35 years of age, on the 1st day of the month in which the requisition is sent to the Employment Exchange.

Age.

**Appointing  
authority.**

6. Appointments to the posts in the Service shall be made by the Deputy Chief Wildlife Warden.

**Qualifications.**

7. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of persons appointed other than by direct recruitment:

Provided that in the case of direct recruitment, the qualifications regarding experience shall be relaxable to the extent of 50% at the discretion of the appointing authority in case sufficient number of candidates belonging to Scheduled Castes, Backward Classes, Other Backward Classes/Ex-servicemen and Physically Handicapped categories, possessing the requisite experience, are not available to fill up the vacancies reserved for them, after recording reasons for so doing in writing.

**Disqualifica-  
tions.**

8. No persons,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to any post in the Service:

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**Method of  
recruitment.**

9. Recruitment to the Service in the case of Peon, Chowkidar, Peon-cum-Chowkidar, Attendant-cum-Chowkidar Mali-cum-Chowkidar, and Keepers shall be made,—

(i) by direct recruitment; or

(ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India.

(2) When any vacancy occurs or is about to occur, the appointing authority, shall determine the manner in which it shall be filled in.

**Probation**

10. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation for a period of two years, if appointed by direct recruitment, and one year, if appointed other wise:

Provided that—

(a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post, shall count towards the period of probation;



(b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and

(c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.

(2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may—

(a) If such person is appointed by direct recruitment, dispense with his services; and

(b) If such person is appointed otherwise than by direct recruitment —

(i) revert him to his former post ; or

(ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of the previous appointment permit.

(3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may,—

(a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory—

(i) confirm such person from the date of his appointment, if appointed against a permanent vacancy; or

(ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy; or

(iii) declare that he has completed his probation satisfactorily, if there is no permanent vacancy; or

(b) if his work or conduct has in its opinion, been not satisfactory—

(i) dispense with his services, if appointed by direct recruitment, if appointed otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit ; or

(ii) extend his period of probation and thereafter pass such order, as it could have passed on the expiry of the first period of probation :

Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.



## Seniority

11. Seniority, *inter se* of members of the service shall be determined by the length of continuous service on any post in the Service :

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre :

Provided further that in the case of a member appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the Appointing authority shall not be disturbed in fixing the seniority :

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows ;—

- (a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer ;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer ;
- (c) in the case of a member appointed by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred ; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment, and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointments and if the length of such service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

## Liability to serve.

12. (1) A member of the Service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.

(2) A member of the Service may also be deputed to serve under,—

- (i) a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a Municipal Corporation or a local authority or university within the State of Haryana ;
- (ii) The Central Government or a Company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government ; or
- (iii) any other State Government, an international organisation an autonomous body not controlled by the Government, or a private body :

Provided that no member of the Service shall be deputed to serve the Central or any other State Government or any organisation or body referred to in clause (ii) or clause (iii) except with his consent.

13. (1) In respect of pay, leave, pension and all other matters, not expressly provided for in these Rules, the members of the Service shall be governed by such rules and regulations as may have been, or may hereafter be adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature.

Pay, leave, pension and other matters.

14. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987 as amended from time to time :

Discipline, penalties and appeals.

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix C to these rules.

(2) The authority Competent to pass an order under clause (c) or clause (d) of sub-rules (1) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal), Rules, 1987, and the appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

15. Every member of the Service shall get himself vaccinated and re-vaccinated as and when the Government so directs by a special or general order.

Vaccination.

16. Every member of the Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of an allegiance to India and to the Constitution of India as by law established.

Oath of allegiance.

17. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Power of relaxation.

18. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.

Special provisions.

19. Nothing in contained in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Backward Classes, other Backward classes Ex-servicemen, physically handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government in this regard, from time to time :

Reservation.

Provided that the total percentage of reservations so made shall not exceed fifty per cent at any time,

20. The Punjab State (Class IV) Service Rules, 1963, which are in force immediately before the commencement of these rules, are hereby repealed :

Repeal and savings.

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

## APPENDIX A

(See rule 3)

Serial No.	Designation of posts	Number of posts			Scale of pay
		Perma- nent	Tempo- rary	Total	
1	2	3	4	5	6
					Rs.
1	Peon	2	5	7	750-12-870-EB-14-940
2	Chowkidar	..	2	2	750-12-870-EB-14-940
3	Peon-cum-Chowkidar	8	2	10	750-12-870-EB-14-940
4	Attendant-cum-Chowkidar	1	..	1	750-12-870-EB-14-940
5	Mali-cum-Chowkidar	..	8	8	750-12-870-EB-14-940
6	Keeper	..	7	7	750-12-870-EB-14-940



## APPENDIX B

(See rule 7)

Serial No.	Designation of posts	Academic qualifications and experience, if any, for direct recruitment	Academic qualification and experience if any, for appointment other than by direct recruitment
1	2	3	4
1	Peon	(i) Middle pass; (ii) Should be able to read and write Hindi and English	(i) Middle pass; (ii) Should be able to read and write Hindi and English
2	Chowkidar	(i) Middle pass; (ii) Should be able to read and write Hindi and English	(i) Middle pass (ii) Should be able to read and write Hindi and English
3	Peon-cum-Chowkidar	(i) Middle pass; (ii) Should be able to read and write Hindi and English	(i) Middle pass; (ii) Should be able to read and write Hindi and English
4	Attendant-cum-Chowkidar	(i) Middle pass (ii) Should be able to read and write Hindi and English	(i) Middle pass (ii) Should be able to read and write Hindi and English
5	Mali-cum-Chowkidar	(i) Middle pass (ii) Working knowledge of gardening	(i) Middle pass (ii) Working knowledge of gardening
6	Keeper	(i) Should be able to read and write Hindi	(i) Should be able to read and write Hindi

## APPENDIX C

[ See rule-14(1) ]

Serial Number	Designation of posts	Appointing authority	Nature of penalty	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority	Second and final Appellate authority, if any
1	2	3	4	5	6	7
1	Peon	Deputy Chief	1. Minor penalties	Deputy Chief	Chief Wildlife Warden	Government
2	Chowkidar	Wildlife Warden	(i) Warning with a copy in the personal file; (Character roll)	Wildlife Warden		
3	Peon-cum-Chowkidar		(ii) Censure;			
4	Attendant-cum-Chowkidar		(iii) withholding or promotion;			
5	Mali-cum-Chowkidar		(iv) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by negligence or breach of orders, to the Central Government or State Government or to a Company and Association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Government or to a local authority or university set up by an Act of Parliament of the Legislature of a State;			
6	Keeper					

1	2	3	4	5	6	7
Keeper —Contd.	Deputy Chief Wildlife Warden —Contd.	(v) Withholding of increments of pay without cumulative effect ;	Deputy Chief Wildlife Warden	Chief Wildlife Warden	Government	

## 2. MAJOR PENALTIES

- (v-a) withholding of increments of pay with cumulative effect ;
- (vi) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period, with further directions as to whether or not the Government employee will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his pay ;
- (vii) reduction to a lower scale of pay, grade, post or service which shall ordinarily be a bar to the promotion of the Government employee to the time scale of pay, grade, post or service from which he was reduced, with or without



1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

Keeper  
—Concl'd.

Deputy  
Chief  
—Concl'd.

further directions regarding conditions of restoration to the grade or post or service from which the Government employee was reduced and his seniority and pay on such restoration to that grade, post or service ;

Deputy  
Chief  
Wildlife  
Warden

Chief  
Wildlife  
Warden

Govern-  
ment

(viii) compulsory retirement ;

(ix) removal from service which shall not be a disqualification for future employment under the Government ;

(x) dismissal from service which shall ordinary be a disqualification for future employment under the Government ;

## APPENDIX D

[ See rule 14 (2) ]

Sr. No.	Designation of post	Nature of order	Authority empowered to make the order	Appellate authority	Second and Final appellate authority, if any
1	2	3	4	5	6
1	Peon	(i) reducing or withholding the amount of ordinary or additional pension admissible under the rules governing pension ;	Deputy Chief Wildlife Warden	Chief Wildlife Warden	Government
2	Chowkidar				
3	Peon-cum-Chowkidar				
4	Attendant-cum-Chowkidar				
5	Mali-cum-Chowkidar	(ii) terminating the appointment otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.			
6	Keeper				

H. C. DISODIA,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,  
Wildlife Preservation Department.